माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल

आदर्श प्रश्न पत्र – 2012–13

Model Question Paper – 2012-13

समाज शास्त्र

(Sociology)

कक्षा – 12वीं

Time - 3 hours **M. M. 100**

निर्देश :–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 12 तक प्रत्येक के लिये 4 अंक निर्धारित हैं।
4. प्रश्न क्र. 13 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 अंक निर्धारित हैं।
5. प्रश्न क्र. 20 तथा 21 में प्रत्येक प्रश्न के लिये 6 अंक निर्धारित हैं।
6. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

Instructions :

1. All question are compulsory.
2. Q. No. 1 to 5 are Objective type questions. Each question is allotted 5 marks.
3. Q. No. 6 to 12 are allotted 4 marks each.
4. Q. No. 13 to 19 are allotted 5 marks each.
5. Q. No. 20 and 21 are allotted 6 marks each.
6. Except objective type question internal options are given in all questions.

प्र1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये – 5 अंक

1. हमारे देश का नाम 'भारत' महान सम्राट ..... के नाम पर पड़ा।
2. भारत में सबसे धनी आबादी वाला क्षेत्र ..... का मैदान है।
3. भारतीय संविधान द्वारा कुल ..... भाषाओं को मान्यता दी गई है।
4. भारत की पहली राष्ट्रीय जनसंख्या नीति सन् ..... में घोषित की गई।
5. संयुक्त परिवार के मुखिया को ..... कहा जाता है।

Q.1 Fill in the blanks–

1. India has been named as 'Bharat' after the name great king .....
2. The most dense population are a of India is .....
3. Total ..... languages are recognized by the constitution of India.
4. The first national population policy was declared in year ..... in India.
5. The head of the joint family is called .....

प्र.2 सत्य / असत्य लिखिये – 5 अंक

1. भारत में सर्वशिक्षा अभियान सन् 2001 से आरंभ किया।
2. मुस्लिम विवाह एक धार्मिक समझौता है।
3. वर्तमान भारतीय संस्कृति को मिश्रित संस्कृति कहा जाता है।
4. अध्यात्मवाद भारत की प्रमुख लोक परंपरा है।
5. भारत में सर्वप्रथम औपचारिक शिक्षा की स्थापना मुगल शासन के दौरान हुई।

Q.2 Write True / False -

1. The Sarva Shiksha Abhiyan was started in 2001 in India.
2. Muslim marriage is a religious compromise.
3. The present Indian culture in known as composite culture.
4. Sprituation is the main fold tradition in India.
5. The first formal education applied in 'Mugal' rule in India.

प्र.3 सही जोड़ी बनाइये – 5 अंक

1.	काका कालेलकर	1.	बाहरी जातियाँ
2.	ज्योतिबा फूले	2.	अनुसूचित जातियाँ
3.	जे.एच. हट्टन	3.	प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग
4.	साइमन कमीशन	4.	सोशल चेन्ज इन मार्डन इंडिया
5.	एम.एन. श्रीनिवास	5.	दलित जातियाँ

Q.3 Match the following -

1.	Kaka Kalelkar	:	Exterior Caste
2.	Jyotiba Phule	:	Schedule caste
3.	J H Hutton	:	First Backward class commission
4.	Saymen commission	:	Social change in Modern India
5.	M. N. Shrinivas	:	Dalit caste

प्र.4 एक शब्द में लिखिये – 5 अंक

1. भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना किस वर्ष से लागू हुई ?
2. स्वतंत्रत भारत के नए संविधान को किस वर्ष से लागू किया गया ?
3. किस तरह की राजनैतिक प्रणाली में दबाब समूहों की भूमिका अधिक प्रभावशाली होती है ?
4. भारत में नयी प्रौद्योगिकी के प्रभाव से कृषि उपज में तेजी से होने वाली वृद्धि को किस नाम से संबोधित किया जाता है ?
5. वर्तमान युग में सांस्कृतिक परिवर्तन का सबसे प्रभावपूर्ण साधन क्या है ?

Q.4 Write the answer in one word -

1. In which year was the first five year plan in India started ?
2. In which year the new constitution of independent India was passed?
3. In which political system, the role of pressure groups effective ?
4. By which name is the rapid increase in agricultural produce due to impact of latest technology in India is known as ?
5. What is the most effective mean of cultural change at present ?

प्र.5 सही विकल्प चुनकर लिखिये – 5 अंक

1. निम्नांकित में से औद्योगिकरण के लिये आवश्यक दशा क्या है –

   अ. नयी प्रौद्योगिक ब. श्रम शक्ति

   स. परिवहन की सुविधाऐं द. यह सभी

2. एम.एन. श्रीनिवास ने पश्चिमीकरण की प्रक्रिया के माडल के रूप में निम्नांकित में से किसे आधार माना –

   अ. भारत में ब्रिटिश शासन को ब. नयी प्रौद्योगिकी को

   स. आधुनिकीकरण को द. शिक्षा संस्थाओं को

3. पंजाब में नामधारी आंदोलन किसने आरंभ किया –

   अ. गुरू तेगबहादुर ब. बाबा राम सिंह

   स. महात्मा बसण द. संत जगजीवन दास

4. यह निष्कर्ष किसने दिया कि अपराधी जन्मजात होते हैं –

   अ. मॉरर ब. हाल्सबरी

   स. बोन्जर द. लम्ब्रोसो

5. निम्नांकित में से किस समाजशास्त्री ने सामाजिक विचलन की अवधारणा प्रस्तुत की है –

   अ. मॉरिस गिन्सबर्ग ब. मैक्स बेवर

   स. आर.के. मर्टन द. मैकाइवर

Q.5 Select and write appropriate option in the following questions -

1. What is the essential feature of industrialization from the following -

   (a) new Technology (b) Labour Power

   (c) Transport facilities (d) All of these

2. According to M N Shrinivasan which among the following assumed to be model for process of westarnization -

   (a) British Rule in India (b) New Technology

   (c) To modernization (d) Educational institutes

3. Who started Namdhari movement in Punjab -

(a) Guru Teg Bahadur (b) Baba Ram Singh

(c) Mahatma Bansab (d) Sant Jag Jivan Das

4. Who gave the conclusion that they criminals by birth -

(a) Morror (b) Hals Bury

(c) Bonjar (d) Lambroso

5. Which sociologist explains the concept of social deviance -

(a) Maris Ginsbarg (b) Max Weber

(c) R.K. Martel (d) Machaever

प्र.6 भारत में जनसंख्या वृद्धि के कोई चार कारण लिखिये ? **4 अंक**

Write any four causes of population growth in India.

अथवा

Or

जनांकिकी का अर्थ समझाईये ?

Explain the meaning of demography.

प्र.7 संयुक्त परिवार की मुख्य विशेषताऐं क्या हैं ? **4 अंक**

What are main characteristics of Joint Family.

अथवा

हिन्दू विवाह के मुख्य उद्देश्य क्या हैं ?

What are the main objectives of Hindu Marriage.

प्र.8 भारत में अल्प संख्यकों की कोई चार समस्याऐं लिखिये ? **4 अंक**

Write any four problems of minorities in India.

अथवा

पिछड़े वर्ग से आपका क्या अभिप्राय है ?

What do you mean by Backward Class.

प्र.9 उपागम क्या है ? भारतीय समाज के अध्ययन के उपागम कौन से हैं ? **04**

What is the Approach ? What are the approach of the study of Indian Society.

अथवा

संरचनात्मक उपागम क्या है ?

What is Structural approach.

प्र.10 भारतीय नागरिक के मौलिक अधिकार लिखिये ? **4 अंक**

Write the fundamental rights of Indian Civil.

अथवा

सामाजिक परिवर्तन में पंचायत राज की क्या भूमिका है ?

What is role of Panchayati Raj in social change?

प्र.11 उदारीकरण की चुनौतियां लिखिये ? **4 अंक**

Write the challenges of Liberalization.

अथवा

वैश्वीकरण का क्या अर्थ है ?

What is the meaning of globalization.

प्र.12 नव मध्यम वर्ग की विशेषताऐं लिखिये ? **4 अंक**

Write the characteristics of New Middle class.

अथवा

अभिजन समूह से क्या अभिप्राय है ?

What do you mean by Elite groups.

प्र.13 सजातीयता का क्या अर्थ है ? **5 अंक**

What is the meaning of Ethnicity.

अथवा

आधुनिक भारत में एकता के मुख्य तत्व क्या थे ?

What were the main elements of unity in Modern India ?

प्र.14 भारत में नगरीय समुदाय की मुख्य विशेषताऐं क्या हैं ? **5 अंक**

What are the main characteristics of urban community in India ?

अथवा

जाति तथा वर्ग में अंतर लिखिये ?

Write the difference between caste and class.

प्र.15 'अष्टांगिक मार्ग' क्या है ? **5 अंक**

What is 'Ashtangik Marg'.

अथवा

'पंच ऋण' से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by 'Panch Rin'.

प्र.16 बुनियादी शिक्षा से आप क्या समझते हैं ? **5 अंक**

What do you understand by Basic Education ?

अथवा

शिक्षा के मुख्य उद्देश्य क्या हैं ?

What are the main aims of Education ?

प्र.17 संस्कृतिकरण की अवधारणा एवं विशेषताओं की विवेचना कीजिये ? **5 अंक**

Discuss the concept and characteristics of Sanskritisation.

अथवा

पश्चिमीकरण की मुख्य विशेषताऐं क्या हैं ?

What are the main features of westernisation.

प्र.18 जनसंचार के साधनों से आप क्या समझते हैं ? जनसंचार के प्रमुख साधनों पर प्रकाश डालिये ? **5 अंक**

What do you mean by the means of Mass media ? Throw light on the means of mass media.

अथवा

भारत में शिक्षा की समस्याओं का उल्लेख कीजिये ?

Describe the problems of Education in India.

प्र.19 भक्ति आंदोलन के उद्देश्य क्या थे ? **5 अंक**

What were the aims of Bhakti Movement.

अथवा

समाज में हिंसा के कोई पांच कारण लिखिये ?

Write down any five causes of violence in Society.

प्र.20 जनजातियों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये ? **6 अंक**

Explain the main features of tribes.

अथवा

जाति व्यवस्था की विशेषताऐं लिखिये ?

Write the characteristics of caste system.

प्र.21 भारत में राज्यों के सामने आज मुख्य चुनौतियां क्या हैं ? **6 अंक**

What are the main challenges before the states in India to day.

अथवा

राज्य के प्रमुख आधार क्या हैं ?

What are main bases of state.

माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल

आदर्श उत्तर

(Model Answer)

समाज शास्त्र

(Sociology)

उ.1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये : **05**

(अ) भरत

(ब) गंगा यमुना

(स) 18

(द) 1976

(इ) कर्ता

उ.2 सत्य / असत्य बताईये – **05**

(I) सत्य (II) असत्य (III) सत्य

(IV) असत्य (V) असत्य

उ.3 सही जोडियां – **05**

1.	काका कालेलकर	1.	प्रथम पिछड़ा वर्ग
2.	ज्योतिबा फूले	2.	दलित जातियाँ
3.	जे.एच. हट्टन	3.	बाहरी जातियाँ
4.	साइमन कमीशन	4.	अनुसूचित जातियाँ
5.	एम.एन. श्रीनिवास	5.	सोशल चेन्ज इन मार्डन इंडिया

उ.4 एक शब्द में उत्तर दीजिये – **05**

(अ) 1951

(ब) सन् 1950

(स) लोकतांत्रिक व्यवस्था में

(द) हरित क्रान्ति

(इ) जनसंचार

उ.5 सही विकल्प चुनिये – **05**

1. यह सभी
2. भारत में ब्रिटिश शासन को
3. बाबा रामसिंह
4. लम्ब्रीसो
5. आर.के. मर्टन

उ.6 भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण – **04**

1. अशिक्षा।
2. निम्न जीवन स्तर।
3. बाल विवाह की प्रथा।
4. संयुक्त परिवार व्यवस्था।
5. भाग्य में विश्वास।
6. जन्म और मृत्युदर का असंतुलन।
7. बहुपत्नि विवाह का प्रचलन।
8. ग्रामीण अर्थव्यवस्था।

अथवा

उ. जनांकिकी शब्द का प्रयोग सबसे पहले सन् 1855 में गुइलार्ड ने किया। शब्दिक रूप से जनांकिकी वह विज्ञान है जो जनसंख्या संबंधी विशेषताओं को विवरण के रूप में स्पष्ट करता है।

ग्रेबनिक के शब्दों में : "जनांकिकी उन तथ्यों की अध्ययन है जो मानव जनसंख्या के विभिन्न पक्षों जैसे जन्मदर, मृत्युदर, प्रवासीय विशेषताओं और उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करता है।"

गुइलार्ड : "जनांकिकी एक गणितीय ज्ञान है जो जनसंख्या की भौतिक, सामाजिक, बौद्धिक और नैतिक दशाओं के अध्ययन से संबंधित है। व्यापक अर्थों में यह मानव समाज का प्राकृतिक और सामाजिक इतिहास है।"

उ.7 संयुक्त परिवार की मुख्य विशेषताऐं – 04

1. **बड़ा आकार :** एक संयुक्त परिवार में तीन–चार पीढ़ियों तक के रक्त संबंधियों और विवाह के द्वारा इसमें सम्मिलित होने वाले सदस्यों का समावेश होता है।

2. **सामान्य निवास :** संयुक्त परिवार के सभी सदस्य त्यौहारों, उत्सवों और पूजा के अवसर पर एकत्रित होकर कर्त्तव्यों को पूरा करते हैं।

3. **सामान्य रसोई :** जिस परिवार में सभी सदस्य एक ही रसोई में बना भोजन करते हैं।

4. **संयुक्त संपत्ति :** कानूनी और सामाजिक तौर पर एक संयुक्त परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति का कोई बंटवारा नहीं होता।

5. कर्ता की प्रधानता।

6. अधिक स्थायित्व।

7. परंपराओं की प्रधानता।

8. धार्मिक क्रियाओं में संयुक्त सहभाग।

9. समाजवादी व्यवस्था।

अथवा

उ. हिन्दु विवाह के प्रमुख उद्देश्य :

1. धार्मिक कर्त्तव्यों की पूर्ति।
2. पुत्र जन्म।
3. रति।
4. गृहस्थ धर्म का पालन।
5. व्यक्ति के जीवन को संगठिन रखना।

(उपर्युक्त चार बिन्दुओं का संक्षेप में वर्णन करना है।)

उ.8 भारत में अल्पसंख्यकों की समस्याऐं – 04

1. मनोवैज्ञानिक रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग यह समझते हैं कि संख्या में कम होने के कारण उन्हें अधिक राजनैतिक अधिकार नहीं मिल सकेंगे।

2. मुस्लिम समुदाय आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को अपनी एक प्रमुख समस्या मानता है। शैक्षणिक पिछड़ापन होने के कारण इनके परिवारों का आकार बड़ा होना है।

3. भारत में पूर्वोत्तर राज्यों में जहां ईसाई अल्पसंख्यकों की जनसंख्या काफी अधिक है उनमें भी असुरक्षा की भावना के कारण आंदोलनकारी प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

4. सिक्ख अल्पसंख्यकों को उद्योंगों, राजनीति, सरकारी सेवाओं और शिक्षा में अच्छा प्रतिनिधित्व है। इनकी अपनी कोई अलग समस्या नहीं है।

अथवा

उ. पिछड़ा वर्ग से अभिप्राय –

भारतीय समाज में जो समुदाय आर्थिक रूप से दुर्बल हैं उन्हें हम पिछड़ा वर्ग कहते हैं। वास्तविकता यह है कि अन्य पिछड़े वर्ग का तात्पर्य उन जातियों से है जो जाति व्यवस्था में निम्न स्थान पर होते हुए भी अनुसूचित जातियों में शामिल नहीं है। लेकिन जाति व्यवस्था के नियमों के कारण सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी हुई हैं। इन जातियों की आर्थिक और शैक्षणिक दशा में अधिक सुधार नहीं हो सका। इस आधार पर पिछड़े वर्गों को एक अवशिष्ट श्रेणी अथवा 'बची हुई श्रेणी' कहा जाता है।

संविधान में पिछड़े वर्ग का कोई निश्चित अर्थ स्पष्ट न होने के कारण यह आवश्यक हो गया कि सरकार संविधान के अनुच्छेद 340 (1) के आधार पर किसी आयोग को नियुक्त करके पिछडे वर्ग की कसौटियों का निर्धारण करके उन्हें विशेष सुविधायें देने का प्रयत्न करे।

उ.9 उपागम क्या है – **04**

उपागम अध्ययन का वह तरीका या दृष्टिकोण है जिसके आधार पर किसी विशेष सामाजिक तथ्य की विवेचना की जाती है। प्रत्येक उपागम कुछ विशेष मान्यताओं पर आधारित होता है। विभिन्न उपागमों की प्रकृति एक दूसरे से इसलिये भिन्न होती है कि उनसे संबंधित अवधारणाऐं और अध्ययन की प्रविधियां अलग–अलग होती है।

भारतीय समाज के अध्ययन के उपागम –

योगेन्द्र सिंह नें चार उपागमों का उल्लेख किया है –

1. भारतीय विद्याशास्त्रीय उपागम।
2. सांस्कृतिक उपागम।
3. संरचनात्मक उपागम।
4. ऐतिहासिक उपागम।

अथवा

उ. संरचनात्मक उपागम –

यह उपागम सांस्कृतिक विशेषताओं की तुलना में समाज के ढांचे का निर्माण करने वाली इकाईयों का अध्ययन करने वाले तथ्यों को अधिक महत्वपूर्ण मानता है। भारत में ग्रामीण सामाजिक संरचना, सामाजिक स्तरीकरण, विवाह, नातेदारी, शक्ति संरचना, परिवार व्यवस्था और अंतर्जातीय संबंधों की विवेचना में इस उपागम का सबसे अधिक उपयोग किया गया हैं। इस संबंध में एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे, टी.एन. मदन आदि द्वारा किये गये अध्ययन अधिक महत्वपूर्ण हैं। इस उपागम को अक्सर आनुभविक उपागम भी कह दिया जाता है।

उ.10 भारतीय नागरिक के मौलिक अधिकार – **04**

1. **समानता का अधिकार** – कानून के सामने सभी लोग समान हैं। उनके बीच धर्म, वंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जायेगा।

2. **स्वतंत्रता का अधिकार –** अपने विचारों को व्यक्त करना, देश में आने–जाने का अधिकार, रहने का अधिकार, व्यवसाय करने का अधिकार, अन्य अधिकारों से देश की सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था में ठेस न पहुँचती हो और अपना जीवन स्वतंत्र बिता सकें।

3. **शोषण से रक्षा का अधिकार –** व्यक्ति से बेगार नहीं लेना, बाल श्रमिकों का शोषण नहीं करना, किसी भी श्रेणी के व्यक्ति को बेंचा या खरीदा नहीं जा सकता।

4. **धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार –** प्रत्येक व्यक्ति बिना दबाब के किसी भी धर्म के अनुसार व्यवहार, प्रचार कर सकता है।

5. **संस्कृति और शिक्षा का अधिकार।**

6. **संवैधानिक उपचार का अधिकार।**

अथवा

उ. **पंचायती राज की भूमिका –**

सामाजिक परिवर्तन में

1. गांव स्तर की उपयोगी योजनाऐं।
2. ग्रामीण नेतृत्व का विकास।
3. दुर्बल वर्गों का विकास।
4. ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार।
5. स्वास्थ्य के लिये विशेष प्रयत्न।
6. प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की व्यवस्था।
7. सामाजिक और स्थानीय गतिशीलता।
8. सस्ता और शीघ्र न्याय।

गांव के विकास और सामाजिक परिवर्तन में पंचायती राज की और अधिक से अधिक भूमिका निभा रहा है। लेकिन गांव की समस्याऐं जैसे ग्रामीण गुटबंदी, चुनाव संघर्ष, भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति आदि के कारण परिवर्तन समाज में बाधा बना हुआ है।

उ.11 उदारीकरण की चुनौतियां – **04**

1. गरीबी को दूर करना।
2. रोजगार की समस्या को दूर करना।
3. ग्रामीण उद्योगों के विघटन के रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
4. उपभोक्तावाद में वृद्धि से ऋणग्रस्तता की समस्या पैदा हो गई है।
5. उदारीकरण से यह आशंका होने लगी है कि शिक्षा का क्षेत्र निजीकरण होने से निम्नवर्ग समाज वंचित हो सकता है।

अथवा

उ. वैश्वीकरण का अर्थ –

वैश्वीकरण के अर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था में एकीकरण की प्रक्रिया से है। इसका अर्थ है कि जब विभिन्न देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध कम या समाप्त होने लगते हैं तथा सभी देश एक दूसरे की प्रौद्योगिकी और अनुभवों का लाभ उठाकर अपना आर्थिक विकास करने लगते हैं तब इस दशा को वैश्वीकरण कहते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक आधार पर वैश्वीकरण उत्तर आधुनिकता की उन्नत दशा का नाम है। विश्व के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण जब विभिन्न देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों के रूप में स्पष्ट होने लगता है। तब इसी दशा को हम वैश्वीकरण कहते हैं।

उ.12 नव मध्यम वर्ग की विशेषताऐं – **04**

1. नव मध्यम वर्ग सांस्कृतिक असंतुलन की दशा है।
2. डी.पी. मुखर्जी द्वारा नव मध्यम पश्चिमी ढंग के व्यवहारों से अधिक प्रभावित है।
3. नव मध्यम वर्ग जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में स्वतंत्र तरह के आचरण करना है।
4. यह वर्ग एक तरह के आत्म केन्द्रित वर्ग है।
5. इस वर्ग में उपभोक्तावादी संस्कृति का तेजी से बढ़ना है।
6. प्रदर्शनवाद इस वर्ग की एक अन्य विशेषता है।
7. यह वर्ग परिवर्तन और नवीनता में कोई बुराई नहीं देखता।

अथवा

उ. अभिजन समूह –

अभिजन का अर्थ उन लोगों के समूह से होता है जो महत्वपूर्ण राजनैतिक पदों पर आसीन होते हैं। अथवा जिन्हें बड़े बड़े अधिकारियों के रूप में सरकार की ओर से प्रशासन के कुछ विशेष अधिकार सौंपे जाते हैं।

परेटो नें सभी अभिजनों को शासकीय अभिजन और गैर शासकीय अभिजन जैसी दो श्रेणियों में विभाजित किया। वर्तमान समय में उन सभी समूहों को अभिजन समूह माना जाता है जो राजनैतिक, प्रशासन, उद्योग, प्रौद्योगिकी, प्रबंध, शिक्षा, चिकित्सा इसी तरह के अनेक क्षेत्रों में अपनी योग्यता और कुशलता के कारण समाज का नेतृत्व करने लगते हैं।

उ.13 संजातीयता का अर्थ – **05**

संजातीयता एक ऐसी भावना है जो संस्कृति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, वेशभूषा अथवा जीवनशैली के आधार पर किसी विशेष समुदाय को अपनी एक अलग पहचान बनाये रखने का प्रोत्साहन देती है। संजातीयता का संबंध उन पूर्वाग्रहों से है जिनके आधार पर एक से एक संजातीयता समूह अपने से भिन्न संजातीय समूह से पृथकता महसूस करने लगता है। और कभी कभी दूसरे की तुलना में अपने को अधिक श्रेष्ठ या उच्च दिखाने की कोशिश करता है। समाज शास्त्र में इस दशा को संजातीयता की प्रवृत्ति कहा जाता है।

अथवा

आधुनिक भारत में एकता के मुख्य तत्व –

1. भारतीय संविधान में समानता, स्वतंत्रता और धर्म निरपेक्षता को अधिक महत्व दिया।
2. सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों के विकास को समान महत्व दिया गया।
3. पंचायतों से लेकर संसद तक में सभी धर्मों और जातियों के लोगों का प्रतिनिधित्व है।
4. पूरे देश में सभी के लिये समान कानूनों के द्वारा न्याय दिया जाता है।

5. जन संचार के साधनों से विभिन्न समुदाय एक दूसरे से निकट आते जा रहे हैं।

उ.14 भारत में नगरीय समुदाय की मुख्य विशेषताऐं – 05

1. जनसंख्या की अधिकता।
2. सामाजिक विभिन्नता।
3. विकसित प्रौद्योगिकी।
4. श्रम विभाजन और विशेषीकरण।
5. व्यावसायिक भिन्नता।
6. आर्थिक भिन्नताऐं।
7. प्रतिस्पर्धा।
8. द्वितीयक संबंध।
9. आर्थिक गतिशीलता।
10. औपचारिक नियंत्रण।

(उपरोक्त पांच बिन्दुओं का संक्षेप में वर्णन करना है।)

अथवा

जाति तथा वर्ग में अंतर –

1. जाति की सदस्यता जन्म पर आधारित होती है। वर्ग की सदस्यता व्यक्ति की योग्यता और सम्पत्ति से संबंधित होती है।
2. परंपरागत रूप से प्रत्येक जाति का एक निश्चित व्यवसाय होता है। वर्ग व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति कोई भी व्यवसाय कर सकता है।
3. जाति की सदस्यता में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। वर्गों की प्रकृति खुली हुई होती है।
4. जाति के नियमों का संबंध परंपरा से होता है। वर्ग से संबंधित नियम बदलते रहते हैं।
5. जातियों के बीच ऊँच–नीच का स्पष्ट संस्तरण होता है। किसी भी वर्ग को दूसरे की तुलना में ऊँचा–नीचा नहीं कहा जा सकता।

उ.15 अष्टांगिक मार्ग – **05**

बौद्ध धर्म के अंतर्गत अष्टांगिक मार्ग का अर्थ आठ मुख्य कार्यों से है –

1. आर्य शक्तियों का समुचित ज्ञान।
2. दृढ़ निश्चय।
3. सच बोलना।
4. हिंसा और दुराचार से बचना।
5. ईमानदारी से आजीविका चलाना।
6. अच्छे कामों के लिये लगातार प्रयत्न करना।
7. लालच और संताप से बचना।
8. राग और द्वेष से अपने आपको अलग रखना।

अथवा

उ. पंच ऋण –

पंच ऋण हिंदु धर्म का एक सिद्धांत है। हिन्दु धर्म व्यक्तिवाद को महत्व न देकर सामूहिकता को महत्व देता है। प्रत्येक व्यक्ति पर पांच तरह के ऋण होते हैं–

1. देव ऋण।
2. ऋषि ऋण।
3. पितृ ऋण।
4. अतिथि ऋण।
5. जीव ऋण।

1. **देव ऋण :** सबसे पहले व्यक्ति देवतों के रूप में ईश्वरीय शक्ति का ऋणी है। क्योंकि उसी नें हमें जन्म देकर हमारा पालन–पोषण किया है।
2. **ऋषि ऋण :** ऋषियों तथा उन ज्ञानवान लोगों का होता है जिनकी सहायता से हम समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों को पूरा करना सीखते हैं।
3. **पितृ ऋण :** पितृ ऋण का अर्थ माता–पिता के ऋण से है। माता–पिता ही हमें जन्म देकर हमारा पालन–पोषण करते हैं।

4. **अतिथि ऋण :** कितने ही अंजान लोग जीवन में हमारी सहायता करते हैं। इसलिये व्यक्ति अतिथियों का भी ऋणी होता है।
5. **जीव ऋण :** जीव ऋण का अर्थ उन अनेक छोटे जीवों और वनस्पतियों के ऋण से है जिनकी सहायता से हम जीवित रहते हैं।

उ.16 बुनियादी शिक्षा – **05**

महात्मा गांधी जी नें आर्थिक रूप से कमजोर देश के लिये एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था पर जोर दिया जिसकी सहायता से लोग परंपरागत दस्तकारी और व्यवसाय के द्वारा सरलता से व्यवसाय के अवसर प्राप्त कर सकें। उनका विचार था कि कताई–बुनाई, बढ़ईगिरी, पशुपालन, लोहारगिरी, बर्तन बनाने की कला जैसे व्यवसायों की शिक्षा से ही नवयुवकों को व्यावहारिक ज्ञान मिल सकता है। इस शिक्षा को 'बुनियादी शिक्षा' का नाम दिया गया है।

बुनियादी शिक्षा का यह प्रावधान रखा गया कि बच्चे को सात वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु तक अनिवार्य रूप से यह शिक्षा दी जाये। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा के रूप में हिन्दी होना चाहिये। तथा इसका उद्देश्य प्रत्येक युवक को आत्म निर्भर बनाना हो तथा शिक्षा इस प्रकार की हो कि व्यक्ति स्वयं ही जीविका उपार्जित करना खुद ही सीख जाये। बच्चे की प्रतिभा को विकसित करना भी इस शिक्षा का उद्देश्य था।

अथवा

उ. शिक्षा के मुख्य उद्देश्य –

1. व्यक्ति का समाजीकरण करना।
2. अपने जीवन पर स्वयं नियंत्रण रखना।
3. व्यक्ति आजीविका उपार्जित करने के योग्य बन सके।
4. व्यक्ति में ऐसी क्षमताऐं विकसित करना जिससे अपने लिये एक अलग स्थान बना सके।
5. शिक्षा का एक मुख्य उद्देश्य नैतिक विकास करना है।

उ.17 सांस्कृतिकरण की अवधारणा – **05**

सांस्कृतिकरण वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत निम्न जातियां उच्च जातियों की सांस्कृतिक विशेषताओं को ग्रहण करके जाति संरचना में अपनी प्रस्थिति को ऊँचा उठाने का प्रयत्न करती है।

एम.एन. श्रीनिवास –

"सांस्कृतिकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई निम्न हिन्दु जाति या जनजाति अपने से उच्च किसी जाति और प्रायः द्विज जातियों के समान ही अपने रीति–रिवाजों, कर्मकाण्डों, विचारों और जीवनशैलियों को बदलने लगती हैं।"

सांस्कृतिकरण की विशेषताऐं –

1. सांस्कृतिकरण वह प्रक्रिया है जो निम्न जातियों की परंपरागत, सामाजिक प्रास्थिति में होने वाले परिवर्तन और सुधार को स्पष्ट करती है।
2. सांस्कृतिकरण कुछ बाहरी दशाओं का परिणाम नहीं है जब समाज की संरचना में आंतरिक परिवर्तन होता है तभी यह प्रक्रिया होती है।
3. सांस्कृतिकरण का आदर्श प्रभु जाति अथवा प्रभावशाली जाति ही होती है।
4. सांस्कृतिकरण का संबंध एक बड़े समूह द्वारा उच्च जाति की सांस्कृतिक विशेषताओं को ग्रहण करने से है।
5. सांस्कृतिकरण की प्रक्रिया वैदिक युग से लेकर आज तक कुछ प्रयत्नों द्वारा अपनी सामाजिक स्थिति को ऊँचा उठाने का प्रयत्न करती रही है।

अथवा

उ. पश्चिमीकरण की विशेषताऐं –

1. **एक तटस्थ अवधारणा :** यह प्रक्रिया नैतिक रूप से इसलिये तटस्थ है कि इसके अनुसार किसी परिवर्तन को पहले की तुलना में अच्छा या बुरा नहीं कहा जा सकता।
2. **एक व्यापक अवधारणा :** पश्चिमीकरण की प्रक्रिया का क्षेत्र बहुत व्यापक है। इसमें अनेक प्रकार के परिवर्तनों का समावेश है।

3. **एक निश्चित आदर्श का अभाव :** भारत में पश्चिमीकरण की प्रक्रिया किसी एक देश को आदर्श मानकर नहीं चलती।
4. **नए मूल्यों का समावेश :** भारतीय संस्कृति के परंपरागत मूल्यों की जगह पश्चिमी संस्कृति के इन मूल्यों को ग्रहण करने की प्रक्रिया का नाम ही पश्चिमीकरण है।
5. **एक जटिल प्रक्रिया :** पश्चिमीकरण को इस कारण एक जटिल प्रक्रिया कहा जाता है कि इसकी प्रकृति को हम परंपरागत भारतीय संस्कृति की तुलना करके ही समझ सकते हैं।
6. **जागरूक प्रयत्नों का समावेश :** पश्चिमीकरण अपने आप विकसित होने वाली प्रक्रिया नहीं है। इसका संबंध हमारे जागरूक प्रयत्नों से है।

उ.18 जनसंचार के साधन – **05**

जनसंचार के विभिन्न साधनों का काम देश के अलग–अलग हिस्सों में घटित होने वाली घटनाओं, राजनैतिक गतिविधियों, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, तरह तरह की सामाजिक, आर्थिक समस्याओं, विकास कार्यक्रमों और विभिन्न वर्गों की भूमिकाओं की जानकारी देने के साथ जनसाधारण को मनोरंजन की सुविधायें देना है।

जनसंचार के मुख्य साधन –

1. टेलीवीजन।
2. रेडियो।
3. समाचार पत्र पत्रिकाऐं।
4. चलचित्र।
5. दूरसंचार तथा।
6. व्यंग्य चित्र।

(कोई पांच बिन्दुओं का वर्णन पांच–पांच वाक्य में करना है)

अथवा

उ. भारत में शिक्षा की समस्याऐं –

1. शिक्षा पर गैर सरकारी प्रबंधकों का प्रभाव बढ़ने से सामाजिक असमानताऐं बढ़ रही हैं।
2. प्राथमिक शिक्षा के लिये दिये जाने वाले धन का समुचित उपयोग नहीं होता।
3. शिक्षा में व्यावहारिक नियोजन की बहुत कमी है। इसी कारण साक्षरता का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाता।
4. शिक्षा से संबंधित नीतियों और शिक्षकों की नियुक्तियों में नेताओं का बढ़ता हुआ हस्तक्षेप एक मुख्य समस्या है।
5. वर्तमान शिक्षा प्रणाली के द्वारा छात्रों की योग्यता का सही मूल्यांकन नहीं हो पाता।

उ.19 भक्ति आंदोलन के उद्देश्य – 05

1. दुर्बल लोगों की सहायता करना ही ईश्वर को प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है।
2. भक्ति आंदोलन का उद्देश्य समाज के मूल ढांचे को बदले बिना समाज में फैली हुई कुरीतियों, अंधविश्वासों, सामाजिक असमानताओं और कर्मकाण्डों का विरोध करना तथा सामाजिक जीवन को अधिक स्वस्थ्य बनाना रहा है।
3. ईश्वर के लिये सभी मनुष्य समान हैं।
4. भाई–चारे की भावना को विकसित करना।
5. छुआछूत, सति प्रथा और बाल विवाह का व्यापक विरोध करना।

अथवा

उ. हिंसा के कारण –

1. **कुंठा :** असफलता के कारण व्यक्ति में कुंठा और हीनता पैदा होने लगती है। ऐसे लोग दंड की चिंता नहीं करते।

2. **असंतोष का राजनीतिकरण :** असंतोष का कारण जैसे भेदभाव, भ्रष्टाचार आदि से राजनीतिक दलों द्वारा अपने हितों को पूरा करने के लिये किया जाने लगता है। इससे हड़ताल, बंद, तोड़फोड़ जैसी घटनायें होती रहती हैं।
3. **समाज का असंतुलित विकास :** विभिन्न समाजों में असंतुलित विकास के फलस्वरूप भी तनाव, संघर्ष और हिंसा में वृद्धि होती है।
4. **आतंकवाद :** वर्तमानयुग में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियों में होने वाली वृद्धि हिंसा का एक प्रमुख कारण है।
5. **संक्रमणकालीन दशायें :** जब समाज परिवर्तन के दौर से गुजरता है तो उसमें समय की मांग के अनुसार विभिन्न संस्थाओं और व्यवहार के तरीकों में कठिनता से ही कोई परिवर्तन हो पाता है।

उ.20 जनजातियों की प्रमुख विशेषताऐं – 06

1. **सामान्य नाम :** प्रत्येक जनजाति का अपना एक नाम होता है जैसे गौंड, मुंडा, भील आदि।
2. **एक क्षेत्रीय समुदाय –** प्रत्येक जनजाति एक निश्चित भू–भाग में निवास करती है। जैसे जंगली, पहाड़ी क्षेत्र।
3. **पृथक भाषा –** प्रत्येक जनजाति की एक अलग भाषा होती है।
4. **आत्मनिर्भरता –** जनजाति एक आत्मनिर्भर समुदाय है।
5. **राजनीतिक संगठन :** भारत में लगभग सभी जनजातियों के अपने–अपने सामाजिक कानून हैं।
6. **समानता की चेतना :** सभी जनजातियां अपनी उत्पत्ति किसी काल्पनिक पूर्वज या टोटम से मानती हैं। सभी दशाओं में एक दूसरे को सहयोग देते हैं।
7. अन्तर्विवाही समुदाय।
8. धार्मिक विशिष्टता।
9. पिछड़ी हुई अर्थव्यवस्था।
10. प्रथागत कानून तथा।
11. सामाजिक संस्तरण का अभाव।

(उपर्युक्त 11 बिन्दुओं में से किन्हीं छः का वर्णन हो)

अथवा

उ. जाति व्यवस्था की विशेषताऐं –

1. समाज का खंडनात्मक विभाजन।
2. संस्तरण।
3. खान–पान में प्रतिबंध।
4. सामाजिक और धार्मिक निर्योग्यताऐं।
5. व्यावसायिक विभाजन।
6. अन्तर्विवाह।
7. आदर प्रतिमान तथा।
8. जातियों की अन्तनिर्भरता।

(कोई 6 बिन्दुओं को विस्तार से लिखा हो)

उ.21 भारत में राज्य के सामने चुनौतियां – 06

1. सामाजिक आंदोलन।
2. दबाव समूह हित समूह और संघवाद।
3. साम्प्रदायिकता।
4. क्षेत्रवाद।
5. जातिवाद।
6. भ्रष्टाचार।
7. विदेशी कूटनीति।

(उपर्युक्त कोई 6 बिन्दुओं का विस्तार से वर्णन किया होना चाहिये)

अथवा

उ. राज्य के प्रमुख आधार –

1. प्रभुसत्ता।
2. संसदीय लोकतंत्र।
3. संघीय संरचना।
4. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण।
5. धर्मनिरपेक्षता।
6. न्याय स्वतंत्रता और समानता।
7. बहुदलीय प्रणाली।

(उपर्युक्त कोई 6 बिन्दुओं की विवेचना करने पर 6 अंक दें)